

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 34] No. 34] नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 1981/ भाव 14, 1903

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1981/BHADRA 14, 1903

इस भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रहा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग अ.वेश

नई दिल्ली, 20 मई, 198 1

आ० अ० 1019 —यन, निर्वाचन श्रामोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षोत्र से चुनाव लउने वाले उम्मीदवार श्री गुप्तेण्वर सिंह, ग्राम—पो० करय, जिला भोजपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीय बनएए गए नियमो हारा श्रोक्षित श्रपने निर्वाचन व्यया का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफन रहे हैं,

श्रीर, यत उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रानी इस शमफतता के लिए काई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है

अत अप, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनु-सरण में निर्वाचन श्रामोग एनव्दारा उक्त श्री गुप्तेण्वर 617 GDS1—1 सिंह को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य भी विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

CISTERED No. D

[स० बिहार–वि०स०/225/8 0 (62)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDERS

New Delhi, the 20th May, 1981

ON. 1019.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gupteshwar Singh, Village & P.O. Karath, Distinct Bhoipur (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Karakat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gupteshwar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/225/80(62)]

आ। अ। 1020 :—यतः, निर्वाचन मायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राधा प्रसाद साह, ग्राम श्रमरथा, पो० गच्छई, जिला रोहतास, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा लद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रेपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी भ्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राधा प्रसाद साह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीम वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत भोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/225/80(63)]

O.N. 1020.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radha Prasad Sah, Village Amartha, P.O. Gachhai, District Rohtas (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Karakat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radha Prasad Sah to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/225/80(63)]

चार अ० 1021: यतः, निर्वाचन मायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री राम निवास, ग्राम पिपरिंडह, पो० चितोखर, जिला रोहतास, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोक्षित श्रपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे मम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, भौर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्टिस्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम निवास को संसद के किसी भी सदन के या किसी जज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[सं | बिहार--वि | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ |

O.N. 1021.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Niwas, Village Pipardih, P.O. Chitokhara, District Rohtas (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May 1980 from 225-Karakat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Niwas to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/225/80(64)]

श्रा० अ० 1022:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षेत्र मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवनन्दन राम, ग्राम-पो० घनाव इंगलिस, जिला रोहताम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदश्वार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भौर निर्वाचन भ्रायोग का समा-धान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है:

श्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के भनु-सरण में निर्वाचन भायोग एसद्द्वारा उक्त श्री शिवनस्थन राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० बिहार—वि०स० 225/80(65)]

O.N. 1022.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sheonandan Ram, Village & P.O. Dhanao Englis, District Rohtas (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Karakat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and

the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sheonandan Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/225/80(65)]

नई दिल्ली, 30 मई, 198 1

आं अं 1023 :— यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 281-बाधमारा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पलटू महतो, ग्राम टटेंगाबाद, पो० लालपुर, जिला धनबाद, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति से भ्रपने निर्वाचन थ्यपों का लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे है;

श्रौर, यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी भ्रपनी इस असफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रौर उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पण्चात्, निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौ- चित्य नही है,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री पलटू महतो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषिन करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/281/80(68)]

New Delhi, the 30th May, 1981

O.N. 1023.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Paltu Mahato, Village Tetangabad, P.O. Lalpur District, Dhanbad, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 281-Baghmara assembly constituency, held in May, 1981, has failed to lodge an account of his election expenses within time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Paltu Mahato, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/281/80(68)]

मई दिल्ली, 19 जूम, 198 1

भा० अ०1024:—यतः, निर्वाचन भायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 300-खरसवा (ग्र०ण० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुकदेव बानरा, ग्राम गाङ्गाराजाबासा, पो० मारदा, सिहभूम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व भिष्ठित्यम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रोधित समय के भन्दर तथा रीति से भपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफत्त रहे है;

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गये भ्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के भनु-सरण में निर्वाधन भायोग एतद्दारा उक्त श्री सुकदेव बानरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं वहार-वि सं / 300/80 (121)]

New Delhi, the 19th June, 1981

O.N. 1024.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukhdeo Banra, Vill. Gadarajabassa, P.O. Sarda, Sinbhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 300-Kharswan (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukhdeo Banra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/300/80(121)]

नई दिल्ली, 20 जून, 1981

आ० था 1025.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-कोंच निर्वाचन के लेए व्यवहार वाले उम्मीदवार श्री इन्द्रदेव यादव, ग्राम चतुरी बिगहा, पोस्ट तरारी, वाया कोंच, जिला गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों ब्रारा अपेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति से ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा विए गए भ्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; म्रतः मन, उक्त भिधिनियम की घारा 10-क के भ्रनु-सरण में निर्वाचन भ्रायोग एतव्ह्वारा उक्त श्री इन्द्रदेव यादव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [सं० बिहार-वि॰स॰/248/80(101)] New Delhi, the 20th June, 1981

O.N. 1025.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Indradeo Yadav, Vill. Chaturibigha, Post Tarari Via Konch, Distt. Gaya (Bihar), a contesuing candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 248-Konch Constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Indradeo Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/248/80 (101)] मई दिल्ली, 25 जुलाई 1981

अर० अ०1026.— यतः, निर्वाचन ग्रायोग का सथाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 300-खरसावां (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पातर हो, ग्राम बरजूडीह, पो० रामडीह, सिंहभूभ (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेकित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी श्रपनी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नहीं धिया है, भौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भिष्ठिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री पातर हो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन धर्ष की कालाविध के लिए निर्सहत घोषित करता है।

[सं० बिहार-बि०स०/300/80(141)]

New Delhi, the 25th July, 1981

O.N. 1026.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pater HO, Vill. Barjudih, P.O. Ramdih, Singhbhum (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 300-Kharsawan (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pater Ho to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/300/80(141)]

आ० अ०1027- यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 300-खरसावां (भ्र०ण०जा०) निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री श्रीकृष्ण होनहागा, ग्राम कोटरना, पो० चक्रधरपुर, सिंहभूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा धाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के सनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रीकृष्ण होन-हागा को संसद के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राह्त घोषित करता है।

[सं • बिहार-वि • स • / 300/80 (142)]

O.N. 1027.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shrikrishna Honhaga, Vill. Kotsana, P.O. Chakradharpur, Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 300-Kharsawan (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shrikrishna Honhaga to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/300/80(142)]

मई दिल्ली, 27 जुलाई, 1981

आ० अ० 1028. -- यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 294-सरायकेला (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कृतन्

मुर्मू ग्राम बादू, पो॰ राजनगर, जिला सिष्ठभूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रोर, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चाल् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौ-चित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कृतलु मुर्मू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत शोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/294/80(147)]

New Delhi the 27th July, 1981

O.N. 1028.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kutlu Murmu, Vill. Badu P.O. Rajnagar, Distt. Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 294-Saraikella-(ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Kutlu Murmu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this rder.

[No. BR-LA/294/80 (147)]

भा० भ० 1029--यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 294-रायकेला (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री णालखन मुर्मू, करनडीह, जमशेदपुर बिहार लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूधना दिए जाने पर भी, ग्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रीर, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए ग्रथ्यावेदन पर विचार करने के पण्चात निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए बोई पर्याप्त कारण या न्यायौ-चित्य नहीं है;

घतः ध्रम, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनु-सरण में निर्धाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री शालखन मुर्मु को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रार होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/294/80(148)]

O.N. 1029.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shalkhan Marmu, Karandih, Jamshedpur (Bihar) a contesting candiate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 294-Saraikella (S. T) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Shalkhan Marmu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/294/80 (148)]

नई दिल्ली 28 जुलाई, 1981

आ० ग्रं० 1030.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 201-मोकामा निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री यदु मंदन महतो, ग्राम व पी० कुरमी चक, थाना मोकामा, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनिथम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पंयीप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुपरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्ब्रारा उक्त श्री यदु नंवन महतो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस श्रायेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राष्ट्रत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/201/80(151)]

New Delhi, the 28th July, 1981

O.N. 1030.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yadu Nandan Mahto, Vill. Kurmi Chak P. S. Mokameh, Distt. Patna (Bihar) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Mokameh constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yadu Nandan Mahto to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either Home of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. BR-LA/201/80 (151)1

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1981

प्रा० प्र० 1031.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रब्दुल हनीफ ग्रंसारी ग्राम धर्मवासश्रीह, पो० डुमरिया जिला भोजपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रवेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत: उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समा-श्राम हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाधन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रन्दुल हतीफ श्रंसारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने शौर होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्सित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/225/80(155)]

New Delhi, the 29th July, 1981

O.N. 1031.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Hanif Ansari, Vill. Dharamdasdih, P. O. Dumaria, Dist. Bhoipur (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Karakat Constituency, has failed to lodge an account of his/her election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reasons or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Hanif Anari to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA|225|80(155)]

म्रा॰ घ॰ 1032.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 225-काराकाट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लक्ष्मे वाले अम्मीववार श्री सूर्यनाथ राम, ग्राम वाक्ष्-डिहरी, पोस्ट धवनी, जिला रोहताम (बिहार) लोक प्रति-निधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन श्रामोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्दारा उक्त श्री सूर्यनाथ राम को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेश को तरीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरीहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/225/80(156)]

O.N. 1032.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surya Nath Ram, Vill. Baidehirl, P.O. Bhawani, Distt. Rohtas (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Karakat constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ?

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Surya Nath Ram, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA|225|80(156)]

नई विल्ली, 31 जुलाई, 1981

आ॰ प्र॰ 1033-यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 168-भागलपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राधा-नन्द प्र॰ सरस्वती, म तिलका मांझी, सैन्ट्रल जेल रोड, भागलपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्र्पेक्षित अपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाभान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; मतः मन, उक्त मिनियम की धारा 10-क के मंतु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री राधा नन्द प्र० सरस्वती को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्स्तित धोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/ 168/8 0 (163)]

New Delhi, the 31st July, 1981

O.N. 1033.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radhanand Pd. Saraswati, Tilka Manjhi, Central Jail Road, Bhagalpur (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 168-Bhagalpur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radhanand Pd. Saraswati, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/168/80(163)]

श्रा० अ० 1034 —यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई. 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 168-भागलपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री ग्याम सुन्दर पाण्डेय, मो० साहेबगंज, पो० चम्पानगर, भागलपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्याम सुन्दर पाण्डेय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[मं० बिहार-वि०स०/168/80 (164)]

O.N. 1034.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Sunder Pandey, Vill. Sahebgani, P.O. Champanagar, Bhagalpur (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980, from 168-Bhagalpur Constituency, has fulled to lodge an account of his election expenses

at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Sunder Pandey to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/168/80(164)]

आ० अ० 1035 —यतः निर्वाचन ग्रायोग का समा-धान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-कोड़रमा लोक सभा निर्वाचन क्षेप्त से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गिरिजा नन्दन प्र० सिन्हा, ग्राम तथा पोस्ट मानिकवाद वाया खड़गड़ीहा, जिला गिरिडीह (बिहार) लोक प्रतिनिधिष्ट प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति से ग्रपने निर्वाचन स्थां का लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

ग्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री गिरिजा मन्दन प्र० सिन्हा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० बिहार -लो० स०/45/80 (27)]

O.N. 1035.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Girja Nangan Pd. Sinha Vill. and Post Manikbad via Kharagdiha, Distt. Giridih (Bihar) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 45-Kodarma Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Girija Nandan Pd. Sinha to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order,

[No. BR-HP/45/80(27)]

नई विल्ली, 3 श्रगस्त 1981

धा० अ०.1036---यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 279-बोकारो निर्वाचन-क्षेत्र ये चुंगाव सड़ने वासे उम्मीदंवार की एस० एय० खाम, ग्राम, बालीडीह, पो० बालीडीह जिला धनवाद, विहार नोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, श्रपनी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री एस० एच० खान को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयंवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से सीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्माहत घोषिन करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/279/80(169)]

New Delhi, the 3rd August, 1981

O.N. 1036.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. H. Khan. Vill. Balidih, P.O. Balidih Distt. Dhanbad a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 279-Bokaro Constiteuncy, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied hat he has no good reason or justification for the failure

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi S. H. Khan to be disqualified for being chosen as, end for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/279/80(169)]

ग्रा० ग्र० 1037.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि बर्ड, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 279-बोकारो निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बी० के० तिवारी, सेक्टर 3-सी क्वार्टर नं० 71, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकल रहे है;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए आने पर भी, श्रपनी इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी संगाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियग की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतक्द्वारा उक्त श्री बीठ केठ नियारी को संसद के किसी 'भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्शाहत घोषित करना है।

[सं० बिहार-वि . स०/279/80 (170)]

O.N. 1037.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri B. K. Tiwary, Sector III/C, Qr. No. 71, Bokaro Steel City, Dhanbad (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 279-Bokaro Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrt B. K. Tiwary to be disqualified for being chosen as, and to being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/279/80(170)]

भा० भ० 1038-यतः, निर्वाचन स्रायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 279-बोकारो निर्वाचन केले सेले विधान सभा के केले साधारण निर्वाचन के लिए 279-बोकारो निर्वाचन केले सेले में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार थी दवारिका नाथ दवेदी, क्वाटर नं० 2408, स्ट्रीट नं० 37, सेक्टर 8/सी, वी०एस० सिटी, धनबाद लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रषेक्षित भ्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं ;

श्रीर, यतः, उना उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, श्रपनी इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियय की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा श्री दवारिका नाथ खबेदी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषिन करना है।

[मं० बिहार-वि०म०/279/80(171)]

O.N. 1038.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devarika Nath Dwebedi, Qr. No. 2408, Street No. 37, Sector-VIII-C-B-S. City. Dhanbad (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar I egislative Assemily held in May, 1980 from 279-Bokaro Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereve the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declare, the said Shri

Devarika Nath Dwebedi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/279/80(171)]

नई दिल्ली, 4 ध्रगस्त, 1981

श्रा० अ० 1039.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 247-बेलागंज निर्वाचन केन्ने में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्रर्जुन प्रसाद, ग्राम सिमरा, पोस्ट श्रीपुर (नया) जिला गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियस, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

मतः श्रव, उक्त श्रिधिनियस की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्बारा उक्त श्री श्रर्जुन प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने श्रोर होने के लिए इस श्रादेश की तारीच से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करना है।

[मं० बिहार-वि० सं**० 24.7/80(165)**]

New Dolhi, the 4th August, 1981

O.N. 1039.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arjun Prasad, Vill. Simra, Post Shripur (Naya), Distt. Gaya (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 247-Helaganj Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Arjun Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legis'ative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/247/80(165)]

ग्रा० ग्रा० 1040.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 309-मांडर (ग्र०ज० जा०) निर्वाचन केत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रनन्त अंशईक, ग्राम सारंगलोया, पोस्ट लापुंग, जिला रांची (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी खेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं!

भौर यत;, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया 617 (स) 1-2 है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं हैं:

ग्रतः ग्रबः उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री ग्रनन्त बड़ाईक को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [सं० बिहार वि० सं०/309/80 (166)] श्रादेश से,

> > सतीम चन्द जैन, भ्रवर सिंघव,

भारत निर्वाचन म्रायोग

O.N. 1040.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anant Baraik, Vill. Sarangliya, Post Lapung, Distt. Ranchi (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 309-Mandar (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has the good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anant Baraik to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/309/80(166)] By Order,

S. C. JAIN, Under Secy. Election Commission of India.

आवेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1981

आ० प्र० 1041 -- यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 224-इटारसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोरी गंकर मगन लाल, मार्फत जयदादा प्रिण्टर्स-37/1 काजीपुरा जुमेराती, भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों क्षारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहें हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोधित्य नहीं है;

मतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 10-क के मनु-सरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री गोरी मकर मगन लाल, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान ेरा के सदस मुने जाने भ्रौर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-बि०स०/224/80(147)]

ORDERS

New Delhi, the 14th July, 1981

O.N. 1041.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gourishankar Maganlal, c/o Jai Dada Printers, 37/1 Kajipura, Jumerati, Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 224-Itarsi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gourishankar Maganlal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/224/80(147)]

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1981

ग्रा० ग्र० 1042---यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 310-रत्तलाम ग्रामीण, निर्वाचन-सेत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धैवरमल जैन, पिता श्री रखबचन्द, ग्राम रत्तागढखेड़ा, पो० रत्तागढ़-खेड़ा, तहसील व जिला रत्तलाम (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रप्त निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतदहारा उक्त श्री घेवरमल जैन, को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं म॰प्र॰-वि॰स॰/310/80(149)

New Delhi, the 15th July, 1981

O.N. 1642.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghewarmal Jain, Father of Shri Rakhabchand, Village Rattagarh Kheda, Post Rattagarh Kheda, Tehsil and District Ratlam (M.P.) a contesting candidate for general election to

the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 310-Ratlam Rural constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghewarmal Jain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/310/80(149)]

आ० अ० 1043—रातः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 197-जबलपुर पश्चिम निर्वाचन क्षेन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपाल 225-गढ़ाफाटक, जिला जबलपुर, जबलपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री गोपाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स० 197/80(148)]

O.N. 1043.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopal, 225-Gadphatak, District Jabalpur, Jabalpur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Jabalpur West constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/197/80(148)]

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1981

चारे श

आं अा अ 1044: यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 63-सतना निर्वाचन-श्रेत से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शामीम अहमद, कम्पनी बाग, वार्ड नं 16, सतना, जिला सतना (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रश्ववा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धाराँ 10-क के अनुसरण में नियम्बिन ग्रायोग एतद्वारा उक्त श्री सामीम अहमद की तंतद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अक्षवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख संतीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰म॰/63/80 (150)]

New Delhi, the 17th July, 1981

O.N 1944.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shamim Ahmad, Company Bagh, Ward No. 16, Satna, District Satna, (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 63-Satna constituency has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shamim Ahmad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/63/80(150)]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1981

आ। अ। 1045:—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 60-नागोड़ निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री मुस्साक ग्रहमद, ग्राम व पोस्ट-श्रमकुई, जिला सतना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और यतः, उक्तः उम्मीबदार ने, सम्यक सूचना विष् जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथधा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्धाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलक्ता के लिए कोई कारण या न्यायौक्तिय नहीं है;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्कारा उक्त श्री मुस्ताक श्रहमद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता हैं।

[सं० म०प्र०-वि०स०/60/80(157)]

New Delhi, the 18th July, 1981

O.N. 1045.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mustaq Ahmad, Village and Post—Amkuee, District Satna (MP.) a contesting candidate for general election to be Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 60-Nagod constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission is hereby declares the said Shri Mustaq Ahmad to be disqualified for being, chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|60|80(157)]

आ० प्र01046: —यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 111-बांरा निर्वाचन के लेए गाम लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मदन लाल, भौराजेड़ी, तहसील मांगरोल, जिला कोटा (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व. श्रिधिनयम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रन्-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मवन लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य के विधान संभा ग्रंथका विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

् [सं० राज-वि०स०/ 111/80(133)]

O.N. 1046.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madan Lal, Bhorajedi, Tehsil Mangrol, District Kota (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legistative Assembly held in May, 1980 from 111-Baran constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Madan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA|111|80 (133)]

आ० अ०1047.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए सधारण निर्वाचन के लिए 128-ग्रभनपुर, निर्वाचन सेते से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री उदय लाल, ग्राम नहनाचण्डी, पो० ग्रा० चण्डी बाजार, नहसील व जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्भीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रपने निर्वाचन ख्रयों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रिधिनयम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री उदय लाल की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/128/80(155)]

O. N. 1047.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Udelal, Village Nahnachandi, P.O. Chandibazar, Tehsil and District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general electon to the Madhya Pradeh Legislative Assembly held in May, 1980 from 128-Abhanpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Udelal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/128/80(155)]

आ० अ०1048.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-अमर पाटन निर्वाचन-के लिए 65-अमर पाटन निर्वाचन-के ते स्मीदवार श्री राकेश कुमार सिंह, ग्राम कारही, पो० ककरा, जिला सतना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राकेश कुमार सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/65/80(156)]

O.N. 1048.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rakesh Kumar Singh, Vill. Karahi, Post Kakra, Dist. Satna (M.P.) a contesting candidates for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 65-Amarpatan Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rakesh Kumar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA|65|80 (156)]

आ॰ प्र॰1049-यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 131-घरसीया निर्वाचन- क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दुखित राम, ग्राम कुरा, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दृष्टिल करने में ध्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है; ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री दुखित राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

सिं० म०प्र०-वि०स०/131/80(154)]

O.N. 1049.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dukhitram, Village Kura, District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 131-Dharsiwa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dukhitram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

TNo. MP-LA/131 '80 (154)!

ग्रा० अ०1050—यनः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 127-रायपूर ग्रामीण निर्वाचन-केव के चुनाव लड़ने दाले उम्मीदवार श्री प्रताप रार, गर्जी नं० 1 रेनबो ग्राटो स्पेयर के पास फाफाडीह, रायपुर, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिकान, 1951 तथा तदधीन बनाए गर् नियमों द्वारा ग्रापेकित ग्रापेनित ग्रापेकित ग्राप्ति निर्वाचन ग्रापेकित ग्रा

ग्रीर यतः, उक्त उतिद्वार ने, सम्यक नृचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के तिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं कित है ग्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उत्तके पास इस ग्रसफलता के तिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः प्रव, उक्त ग्रिविनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचा श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री प्रताप राय की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रोर होने के लिए इन ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित शोधित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/127/80(153)]

O.N. 1050.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pratap Rai, Gali No. I, Near Aainbow Auto Spare, Phaphadih, Raipur, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in may, 1980 from 127-Raipur Rural constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

617 GI/81 · · · 3

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pratap Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/127/80(153)]

ग्रा० ग्र० 1051.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि पई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 141-राजिय निर्वाचन-केंत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भुवन लाल, ग्राम व पोस्ट राजिम, तहसील विन्द्रनावागढ़ जिला रायपुर (सध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा ग्रथिकत ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस श्रसफदता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण गहा दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का नगधान हो गया है कि उसके गाम इस श्राफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या नगर्याभिता नहीं है ;

श्रवः श्रवः उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुन्रण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भुवन लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर-हिन घोषित करता है ।

[सं० म० प्र०-वि० स०/141/80 (151)]

O.N. 1051.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhuwanlal, Village and Post Rajim, Tehsil Bindranwagarh, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 141-Rajim constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhuwanlal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/141/80(151)]

ग्रा० ग्र० 1052.—यतः, निर्वाचन हायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पथ्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 141-राजिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री थुकेल, ग्राम व पोस्ट बासनी, तहसील विन्द्रानावागढ़, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा श्रपेक्षित रीति से ग्र'ने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पण्चात् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौतित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री थुकेल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिये इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्हित घोषिन करता है।

· | सं० भ० प्र०-वि० स०/141/80 (152)]

O.N. 1052.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tukelu, Village and Post Basni, Tahsil Bindranwagarh, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1981 from 141-Rajim constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951. and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thukelu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|141|80 (152)]

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1981

श्रा० श्र० 1053.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये ताधारण निर्वाचन के लिये 1-श्योपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार सरदार गुलाब सिंह, वार्ड नं० 3, किलारोड़, श्योपुर, जिला मुरैना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा श्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकृरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त सरदार गुलाब सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालादिध के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० म0 प्र०-वि० स० 1/80(160)]

New Delhi, the 20th July, 1981

O.N. 1053.—Whereas the Election Commission is eatisefid that Sardar Gulab Singh, Ward No. 3, Kila Road, Sheopur, District Morena (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 1-Sheopur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now. therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Sardar Gulab Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/1/80(160)]

श्रा० श्र० 1054.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का सन्।धान हो गया है कि सई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिय साधारण निर्वाचन के लिये 62-चित्रकूट, निर्वाचन-केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती देवमानी, ग्राम मसभासोखेरा, पो० बीरसिंहपुर, जिला सतना (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा थपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहें हैं

ग्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिये कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्रीमती देवमानी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/62/80 (159)]

O.N. 1054.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Devmani, Village Masmasikhera, Post Birsinghpur, District Satna, (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 62-Chitrakoot constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Son Devmani to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/62/80(159)]

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1981

प्रा० अ० 1055 —यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुये मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 210-भोपाल उत्तर निर्वाचन के लिये 210-भोपाल उत्तर निर्वाचन के ते में चुनाव लड़ने बाल उम्मीदवार श्री भारत भूषण, 7, गली न० 1, इन्नाहिमपुरा, जिला भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाये गये नियमों द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे है;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिये कोई कारण ग्रथवा स्पाटी-करण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्ढारा उक्त श्री भारत भूषण को संसद के किसी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य च्ने जाने श्रौर होने के लिये एम ग्रादेण की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहित धोषित करना है।

[मं० म० प्र०-वि० स०/240/80(162)]

New Delhi, the 21st July, 1981

O.N. 1055.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bharat Bhushan, 7, Gali No. 1, Ibrahimpura, District Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May. 1980, from 240-Bhopal North constituency, has failed to Iodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bharat Bhushan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/240/80(162)]

आ० अ०.1056.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 240-भोपाल उत्तर, निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रज्जन लाल बायम, बुधवारा, भोईपुरा, जिला भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक स्चना दिए जाने पर भी इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण ग्रथबा स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है.

श्रत श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्हारा उक्त श्री रज्ञन लाल वाथम, को मसद के किमी भी मदन के या किमी राज्य की विधान सभा श्रथवा त्रिधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावश्रि के लिए निर्हांन घोषित करना है।

[म॰ म॰प्र॰-वि॰म॰/240/80(163)]

O.N. 1056.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajjan Lal Batham, Budhwara, Bhojpura; District Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 240-Bhopal North constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules and thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajjan Lal Batham to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/240/80(163)]

आ० ग्र.०.1057.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 240-भोषाल उत्तर, निर्वाचन-केंद्र में चुनाव लग्ने वाले उम्मीदवार श्री मुन्दर लाल निवारी, 39 चौक बाजार, जिला भोषाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-मरण में निर्वाचन श्रीयोग एतद्वारा उक्त श्री सुन्दर लाल निवारी, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इम श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

O.N. 1057.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sunder I al Tiwari, 39, Chowk Bazar, District Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Piadesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 240-Bhopal North constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shi Sunder Lal Tiwari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-I A/240,80(164)]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1981

आर अर. 1058. — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 199-मझोली निर्वाचन के लिए 199-मझोली निर्वाचन के ले जम्मीदवार श्री घनश्याम पटेल, ग्राम सहसन (पडिंग्या) पोर नुनसर, तह्सील पाटन, जिला जबलपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इम श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं किया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री धनण्याम पटेल को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इम श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/199/80(165)]

New Delhi, the 22nd July, 1981

O.N. 1058.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghanshyam Patel, Village Sahasan (Padrla) Post Nunsar, Tehsil Pattan, District Jabalpur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 199-Majhali constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghanshyam Patel to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/199/80/(165)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1981

आं अं 1059.—-यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 222-पिपरिया, निर्याचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सोहन लाल मोदिया, 322-एन-3, सीं सेक्टर, गोबिन्दपुरा, भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रोक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा म्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतदृद्वारा उक्त श्री सोहन लाल सोदिया का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/222/80(166)]

New Delhi, the 24th July, 1981

O.N. 1059.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sohan Lal Sodiya, 322-N-3, C-Sector, Govindpura, Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 222-Pipariya constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sohan Lal Sodiya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/222/80(166)]

नई विल्ली, 27 जुलाई, 1981

आ॰ अ॰. 1060.—यतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-नागपुर (महाराष्ट्र) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री कनेटकर माधव जनारदन, हरीकठपा, 80-लक्ष्मीनगर नागपुर-10 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रांर, यतः, उक्त उम्मादवार द्वारा दिए गए स्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन स्रायोग का यह भी समाधान हा गया है कि उसके पास इस स्रमफलना के लिए कोई कारण स्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन स्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस स्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कनेटकर याजव जनारदन, को मंसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विज्ञान समा श्रथवा विधान परिपद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं० महा-लोक/23/80(53)]

New Delhi, the 27th July, 1981

O.N. 1060.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanetkar Madhao Janardhan, Harikrupa, 80-Laxminagar, Nagpur-10 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 23-Nagpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, threrefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanetkar Madhao Janardhan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-HP/23/80/(53)]

श्रा० अ०. 1061.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-नागपुर (महाराष्ट्र) निर्वाचनकेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लान जैवार भीम-शंकर टुकाराम, वार्ड नं० 63, गड़ी गुड़म, नागपुर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन वनाए गए नियमों द्वारा श्रवेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

श्रार, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए प्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियय की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री लान जेवार भीमशंकर दुकाराय, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रार होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[स॰ महा-लोक/23/80(54)]

O.N. 1061.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lanjewar Bhimshankar Tukaram, Ward No. 63, Goddigudem, Nagpur (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 23-Nagpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the tranner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lanjewar Bhimshankar Tukaram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-HP|23|80(54)]

आ० अ०. 1062.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-नागपुर (पहाराष्ट्र) निर्वाचन-केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जोतिशश्राचर्य विथल शंकर हरोडे, सतरंजीपुरा नजदीक सुभाष पुतला बन्दरा रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में समफल रहे हैं:

श्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चान् निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसकता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उपके पास इस ग्रसकता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौचित्य नहीं है;

यतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री जोतिणश्राचर्य विथल शंकर हरोड़े, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तोन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं॰ महा-लोक/23/80(55)]

O.N. 1062.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jotishcharya Vithal Shankar Harode, Satranji-Pura, Near Subhash Puda, Bhandara Road, Nagpur (Mahatashtra) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 23-Nagpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules mada thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jotishcharya Vithal Shankar Harode to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No MT-HP/23/80 (55)]

श्रा० अ० 1063 — यत, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-नागपुर (महाराष्ट्र) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री साह हीराचन्द सुकरू, श्रशोक चोक, श्रशोक नगर, नागपुर (महा-राष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

स्रोर, यत, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए स्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन स्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस स्रसफलता के लिए कोई कारण स्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया ह स्रोर निर्वाचन स्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस स्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

ग्रत ग्रव, उक्त ग्रिधिनियस की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री माहु हीराचन्द सुकरू, को मसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[स॰ महा-लोक/23/80(56)]

O.N. 1063—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sahu Hirachand Sukru, Ashok Chouk, Ashok Nagar, Nagpur-17 (Maharashtra) a contesting candidate for general election it the House of the People held in January, 1980 from 23 Nagpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the minner as required by the Rep es mation of the People Act, 1951, and the Ruies made thereunder,

And whereas the said cancidate, even after due notice, as not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sahu Hirachand Sukru, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No MT-HP/23/80(56)]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1981

श्चा० श्च० 1064 — यत , निर्वाचन श्चायोग का समाधान हा गया ह कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 277-सानकच्छ

(ग्र०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री काणी राम ग्रर्जुनजी, 12 ग्राम बावडिया, तहसील देवास, जिला देवास (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ग्रिपेक्षित ग्राने निर्वाचन व्यया का कोई भी लेखा दाखिल करने मे ग्रसफल रहे हे,

ग्रार यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

श्रत श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण मे निर्वाचन श्रायाग एतदद्वारा उक्त श्री काशी राम श्रर्जुन जी को ममद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[म॰ म॰प्र॰-वि॰म॰/277/९०(171)]

New Delhi the 28th July 1931

O.N. 1064.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kashi Ram Arjanji, 12 Village Bavadia, Tahsil Dewas, District Dewas (MP) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 277-Sonkatch (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declare the said Shri Kashi Ram Arjunji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the dae of this order

[No MP-LA/277/80(171)]

नई दिल्ली, 10 ग्रगस्त, 1981

आ श्रु० 1065 — यत, निर्वाचन ग्रायाग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए सावारण निर्वाचन के लिए 194-जीडकार निर्वाचन के लिए 194-जीडकार निर्वाचन के लिए 194-जीडकार निर्वाचन के लिए 194-जीडकार प्राप्त समाविवार था रूपा राम, ग्राम व पास्ट डावडा वाया गौलासर, जिला नागोर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ग्रेपेक्षित रीति से ग्रपने निर्वाचन ब्यया का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है,

ग्रोर, यत, उक्त उम्मीदवार द्वारा किए गए ग्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया ह, कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है, श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री रूपा राम को संमद के किसी भी मदन के या किमी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के मदम्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषिन करना है।

[सं० राज-वि०स०/194/80(137)]

New Delhi, the 10th August, 1981

O.N. 1065.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rupa Ram, Village and Post-Dawara Via Maulasar, District-Nagaur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 194-Deedwana constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rupa Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a Period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/194/80(137)]

आ० अ० 1066—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए महाराष्ट्र लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 22-रासदेक निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लंडने वाले उम्मीदबार श्री मेणराम देवराज नागोजी, मुकाम पोस्ट कचारी मांबगा, तहमील काटोल, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धशीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा टाख्रिल करने में श्रमफल रहे हैं,

श्रौर, यत. उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोधित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतक्ट्वारा उक्त श्री मेणराम देवराज नागोजी को मंसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान परिषद के मदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख स नीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करना है।

[सं० महा-लो०स०/22/80 (57)]

O.N. 1066.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Meshram Deorao Nagoji, At and Post Kacharisaonga, Tehsil Kotal, District Nagour (Maharashtru) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 22-Ramtek Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Flection Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Meshram Declao Nagoji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-HP/22/80(57)]

नई दिल्ली, 11 ग्रगम्त, 1981

आर श्रा० 1067.—यत:, निर्वाचन ग्रायोग का गमा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान मना के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 184-मरदारपुरा, निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कथर लाल, चीरघर कमला नेहम नगर, बी० ग्रार० माथुर का बंगला, जोधपुर, जिला जोधपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रापेक्षित ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इम श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के स्रनु-सरण में निर्वाचन स्रायोग एनद्वारा उक्त श्री कंवर लाल को गमद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान मभा अथवा विधान परिषद् के मदम्य चुने जाने सौर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन घोषित करना है।

> [सं० राज-वि०स०/184/80(138)] श्रादेश से,

> > धर्मवीर, अवर मचिव

New Delhi, the 11th August, 1981

O.N. 1067.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanwar Lal Chirghar, Kamla Nchru Nagar, B. R. Mathur Ka Bangla, Jodhpur, District-Jodhpur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the

Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 184-Sa) darpura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shti kanwai Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/184/80(138)]

By order

DHARAM VIR, Under Secy.

आवेश

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1981

श्रा० अ० 1068—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 93-सफीपुर (ग्र० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सीताराम, ग्राम जमालुद्दीनपुर, पो० वम्हना, जिला उन्नाव (उ० प्र०) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ग्रिपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक गूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रत: श्रब, उक्त श्राधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री सीताराम को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता हैं।

[सं० उ०प्र०-व्हि०स०/93/80 (270)]

ORDERS

New Delhi, the 31st July, 1981

O.N. 1068.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sitaram Village Jamaluddinpur, P.O. Bauhua Distt. Unnao (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May. 1980 from 93-Safipur (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission he eby declares the said Shri Sitaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/93/80 (270)]

आ० अ०1069:— यत., निर्वाचन भ्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के किए 91-उन्नाय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भ्रशोक कुमार सिंह, 355, श्रटल विहारी नगर, उन्नाव (उ०प्र०) लोक प्रति-विधित्य अधिनियम, 1951 तथा त्वशीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोक्षित भ्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्मप्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रब, उन्त श्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उन्त श्री श्रयोक कुमार मिंह को गंतद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान पिख़द के सदस्य चुने जाने श्रीर होंने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/94/80 (271)]

O.N. 1069.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ashok Kumar Singh, 335, Atal Bihari Nagar, Unnao (U. P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 94-Unnao constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ashok Kumar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/94/80 (271)]

नई विल्ली, 1 श्रगस्त, 1981

आ० अ० 1070:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 95-हड़हा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, श्रीमती श्राशा देवी 283/1, श्रटल बिहारी नगर, उन्नाव (उ०प्र०), लोक, प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम , 1951 तथा त≇धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रयेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का काई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रही है ; भीर यतः, उक्त उम्मीद्वार ने, सम्थक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के निए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

श्रतः श्रवः उकत श्रिविनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्रीमती थाणा देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्टिंत घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/95/80 (272)]

New Delhi, the 1st August, 1981

O.N. 1070.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Asha Devi, 283/1. Atal Bihari Nagar, Unnao (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 95-Hadha constituency has failed to lodge an account of her election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereun in the constituency is the property of the People Act, 1951, and the Rules made thereun is the constituency in the constituency in the property of the property is the property of the property in the property of the property is the property of the property in the property of the proper

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimatl Asha Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/95/80 (272)]

आ० अ० 1071 :— यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 95-इडहा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राधे लाल, कमल खड़ा मर्दनपुर, हिलौनी, उन्नाव (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रिपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए, कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री राधे लाल को संसद के किमी भी मदन के या किमी राज्य की विधान मभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंन घोषित करता है।

> [मं ० उ०प्र०-वि०स०/ 95/ 80/ (273)] श्रादेश में, श्रों० ना० नागर, श्रवर सचिव

O.N. 1071.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Radhey Lal, kamal kheia Maidanpin, Illianin, Unnao (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 95-Hadha constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the feetion Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Flection Commission hereby declares the said Shri Radhey Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, UP-I \(\Lambda\)/95/80 (273)]

O.N. NAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 श्रगस्त, 1981

आ॰ प्र॰ 1072 :—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समा-धान हो गया है कि नवम्बर, 1980 में हुए हरियाणा विधान सभा के लिए उप-निर्वाचन के लिए 33-बेरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री रधवीर ग्रात्मज श्री सांवल ग्रा॰ व डा॰ गोछी, तह॰ झज्जर, जिला रोहतक (हरियाणा) लोक प्रतिनिधित्य ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन वनाए गए नियमों हारा अपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टी-करण नही दिया है श्रोर निर्वाचन श्रायोग का यह सपाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रमु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री रघनीर की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मभा ग्रयदा विधान परिपद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहन घोषिन करता है।

[सं० हरि०-थि०स०/33/80/54० (1)]

New Delhi, the 10th August, 1981

O.N. 1072.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raghvir S/o Shri Sanwal, Village & P.O. Gochhi, Teh. Jhajjar, Distt. Rohtak a contesting candidate for byc-election to the Haryana Legislative Assembly held in November, 1980 from 33-Beri constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raghvir to be disqualified for being chosen as, and to being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/33/80/Bye (1)]

आ० अ० 1073 :— पतः, निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि अनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 5-रोहनक निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लाल पुत्र श्री जीवन दाम, ग्रा० श्रावल, तह० रोहनक, जिला रोहतक (हरियाणा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रिपक्षित श्राने निर्वाचन ध्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया हैं श्रीर निर्धाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं हैं;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० हरि॰--लो॰स॰/5/80 (12)]

O.N. 1073.—Whereas the Election Commission is satisficd that Shri Ram Lal S/o Shri Jeewan Das, Village Anwal, Teh, Rohtak, Distt. Rohtak (Haryana), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 5-Rohtak constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-HP/5/80 (12)]

आ० प्र० 1074 :—यतः निर्वाचन ग्रायोग का मझा-धान हो गया है कि नवम्बर 1980 में हुए हरियाणा विधान सभा के लिए उप निर्वाचन के लिए 73-भट्टकलां निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरफूल मिंह मैंडल, ग्रा० व डा० नेहला, तह० व जिला हिसार (हरियाणा), लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने. सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह स्याधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-मरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री हरफूल सिंह गैडल को समद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं हरि वि स । 73/80/उप (2)]

आदेश से,

श्रार०पी० भल्ला, श्रवर सचिव

O.N. 1074.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harphool Singh Madel, Village & P.O. Nehla, Tehseel & District Hissar (Haryana), a contesting candidate for bye-election to the Haryana Legislative Assembly held in November, 1980 from 73-Bhattu Kalan constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1931, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harphool Singh Madel to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. HN-LA|73[80[Bye(2)] By Order,

R. P. BHALLA, Under Secy.